एकवार्षिक स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

1- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

एम्.ए.ज्योतिर्विज्ञान

M.A.-Jyotirvigyan

(Programme Code – MA-JYV)

L.O.C.F.

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा

2025-2026

(ज्योतिर्विज्ञान विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप -**

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक एम.ए. (ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम दो सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. **प्रवेशनियम**

एकवार्षिक एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में चतुर्वार्षिक बी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. **परीक्षायोजना**

1. एकवार्षिक एम.ए.(ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. **प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -**

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति-

एकवार्षिक एम. ए. (ज्योतिर्विज्ञान) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\Sigma (\text{No. of credits in Semester}_i * \text{Grade Point in Semester}_i)}{\Sigma (\text{No. of Credits in Semester}_i)}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **एकवार्षिक एम्.ए.-ज्योतिर्विज्ञान** की उपाधि प्रदान की जाएगी।

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार एकवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को **अधिकतम दो वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।**

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

सम्पादित की जावेगी। जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 उच्चतर ज्योतिर्गणित विवेक	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 फलित ज्योतिष विमर्श	5		
		500	CC-33 संहिता ज्योतिष विमर्श	5		
		500	CC-34 वास्तुविज्ञान के प्रौढ़ तत्त्व	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	500	CC-41 उच्चतर ज्योतिर्गणित विवेक	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-42 फलित ज्योतिष विमर्श	5		
		500	CC-43 संहिता ज्योतिष विमर्श	5		
		500	CC-44 वास्तुविज्ञान के प्रौढ़ तत्त्व* अथवा लघुशोधप्रबन्ध	5		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 उच्चतर ज्योतिर्गणित विवेक	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 फलित ज्योतिष विमर्श	5		
		500	CC-33 संहिता ज्योतिष विमर्श	5		
		500	CC-34 वास्तुविज्ञान के प्रौढ़ तत्त्व	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
	द्वितीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22

पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार

विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

(आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप

ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक एम्.ए.ज्योतिर्विज्ञान

सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

M.A. Jyotirvigyan Syllabus

(Programme Code – MA-JYV)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन

(म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 31	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 31) उच्चतर ज्योतिर्गणित विवेक प्रथम प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में बी ए चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. वेदाङ्ग ज्योतिष से परिचित होंगे। 3. पञ्चाङ्गगणित का बोध होगा। 4. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	पञ्चसिद्धान्तिका अध्याय 15 - ज्योतिषोपनिषद् (सम्पूर्ण) अध्याय 09 - सूर्यचन्द्र मध्यममान (श्लोक संख्या 1 एवं 2) **गतिविधियाँ-** ध्रुवस्थान पर सूर्योदय का प्रारूप/पोस्टर द्वारा प्रदर्शन ध्रुवस्थान पर दिशानिर्धारण विषय पर भाषण	15
2	पञ्चसिद्धान्तिका अध्याय 16 - ग्रहमध्यममान (सम्पूर्ण) **गतिविधियाँ-** ग्रहमध्यममान आनयन का गणितीय प्रदर्शन	15
3	सूर्य सिद्धान्त अध्याय 1 - मध्यमाधिकार (श्लोक सङ्ख्या 1 से 40 तक) (कालप्रकार, मूर्तामूर्तकाल, युगमान, ब्रह्मा की आयु, ग्रहभगण, सावनदिन, महायुग तथा कल्प में सावनदिनादि सङ्ख्या)	15

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ- कालमान हेतु सारिणी/पोस्टर निर्माण ब्रह्मा की आयु विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	
4	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 1 - मध्यमाधिकार (श्लोक सङ्ख्या 41 से अन्त तक) (अहर्गणसाधन, मध्यमग्रहानयन, भूपरिधि, रेखादेश, स्फुटभूपरिधि) **गतिविधियाँ-** स्फुटभूपरिधि का प्रारूप/पोस्टर द्वारा प्रदर्शन अहर्गणसाधन का गणितीय प्रदर्शन	15
5	**वेदाङ्ग ज्योतिष की भारतीय ज्ञान परम्परा** **ऋक् ज्योतिष (सम्पूर्ण)** (पर्वसङ्ख्या, अयनारम्भ, दिनमानवृद्धि, नक्षत्रनाम एवं देवता) **गतिविधियाँ-** किसी श्लोक की व्याख्याप्रस्तुति पर्वसङ्ख्या विषय पर भाषण	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : अहर्गण, भूपरिधि, पर्व		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- 1 सूर्यसिद्धान्त (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित)		

2 सूर्यसिद्धान्त - अंग्रेजी अनुवाद सहित - आर.ई.वर्गीज (अनुवादक) (इन्डोलाजिकल बुक हाउस, वाराणसी, दिल्ली)

3 सूर्यसिद्धान्त- टीकाकार कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2001

4 पञ्चसिद्धान्तिका - सुधाकर द्विवेदी (टीका) तथा सी थिबोट (अंग्रेजी अनुवाद) (चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी-1)

5 पञ्चसिद्धान्तिका, - टी.एस.कुप्पन शास्त्री तथा के.बी.शर्मा (सम्पादन) (पी.पी.एस.टी. फाउन्डेशन, अड्यार, मद्रास - 1993)

6 वेदांग ज्योतिष - डॉ. सुरेशचंद्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नईदिल्ली।

7 वैदिक ज्योतिष - डॉ. गिरिजाशंकर शास्त्री - चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 32	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 32) फलित ज्योतिष विमर्श द्वितीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में बी ए चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. फलादेश में सहायता मिलेगी। 3. राजयोगादि से सुपरिचित होंगे। 4. बालारिष्टविचार में सक्षम होंगे। 5. दशाफलकथन में दक्ष होंगे। 6. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**जातक पारिजात** अध्याय 7 - राजयोगाध्याय (श्लोक सङ्ख्या 1 से 107 तक) (नीचभङ्ग, पञ्चमहापुरुषादि राजयोग, अनफादियोग, केमद्रुमयोग, फल एवम् अपवाद) **गतिविधियाँ-** पञ्चमहापुरुष योगों का पोस्टर द्वारा प्रदर्शन राजयोग विषय पर भाषण	15
2	**जातक पारिजात** अध्याय 7 - राजयोगाध्याय (श्लोक 108 से अन्त तक) (शकट, गजकेसरी, श्रीनाथादि योग, नाभस योग) **गतिविधियाँ-** नाभसयोगों हेतु पोस्टर निर्माण गजकेसरी आदि राजयोग विषय पर निबन्धलेखन	15
3	**योगचिन्तामणि** (पताका, चिन्तामणि आदि विविध योग, भावफल)	15

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ- पताकादि योगों का पोस्टर द्वारा प्रदर्शन भावफलविचार विषय पर भाषण	
4	**सारावली** अध्याय 06 - कारकाध्याय, अध्याय 07 - वारेशादि कारकाध्याय अध्याय 40 - दशाध्याय, अध्याय 41 – अन्तर्दशाध्याय **गतिविधियाँ-** दशाफल विषय पर निबन्धलेखन कारकविचार विषय पर भाषण	15
5	**सारावली** अध्याय 10 – अरिष्टयोगाध्याय, अध्याय 11 – चन्द्रारिष्टभङ्गाध्याय अध्याय 12 – अरिष्टभङ्गाध्याय **गतिविधियाँ-** अरिष्टविचार विषय पर भाषण	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : राजयोग, अरिष्टयोग, दशा		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

1 जातक पारिजात (श्री वैद्यनाथ विरचित) - कपिलेश्वर शास्त्री (चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी)

2.जातक पारिजात - गोपेश कुमार ओझा - मोतीलालबनारसी दास, दिल्ली।

3.सारावली - कल्याणवर्मा, मुरलीधर चतुर्वेदी (मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी)

4.योगचिन्तामणिः और व्यवहार ज्योतिष - डॉ. राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित**	40

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 33	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 33) संहिता ज्योतिष विमर्श तृतीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में बी ए चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. संहिता ज्योतिष की व्यापकता एवं वैज्ञानिकता का परिचय होगा। 3. भारतीय वृष्टिविज्ञान में दक्ष होंगे। 4. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	बृहत्संहिता अध्याय 1 उपनयनाध्याय (ज्योतिष के त्रिस्कन्ध), 2. सांवत्सरसूत्राध्याय (दैवज्ञ के लक्षण, संहितापदार्थ, ज्योतिष महत्त्व), 3. आदित्यचाराध्याय (अयनप्रवृत्ति, त्वष्टा, तामसकीलक, ऋतु अनुसार उदयकालिक सूर्य के वर्ण, प्रतिसूर्य, ऊर्ध्वकर) **गतिविधियाँ-** दैवज्ञलक्षण विषय पर निबन्धलेखन अयनप्रवृत्ति का प्रायोगिक प्रेक्षण	15
2	बृहत्संहिता अध्याय 4. चन्द्रचाराध्याय (चन्द्रप्रकाश, चन्द्रसंस्थान, शृङ्गवेधफल), 5. राहुचाराध्याय (राहुस्वरूप पर विविध मत, ग्रहण एवं मोक्षप्रकार, पर्व, खांश, ग्रहणवर्ण) 6. भौमचाराध्याय (उष्णादि पञ्चभौममुख) **गतिविधियाँ-** चन्द्रप्रकाश विषय पर निबन्धलेखन ग्रहणविचार विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

3	**बृहत्संहिता** अध्याय .7 बुधचाराध्याय (बुध की गतियाँ), 8. बृहस्पतिचाराध्याय (महाकार्तिकादि वर्ष, संवत्सर पुरुष, संवत्सरादि के स्वामी तथा युगेश, प्रभवादि संवत्सर फल), 9. शुक्रचाराध्याय (वीथी तथा मण्डल) 10. शनैश्चरचाराध्याय (नक्षत्रचार फल) **गतिविधियाँ-** संवत्सरफल हेतु सारिणीनिर्माण वीथी तथा मण्डल विषय पर निबन्धलेखन	15
4	**बृहत्संहिता** अध्याय 11. केतुचाराध्याय (त्रिविध केतु, केतु की परिभाषा, शुभाशुभ केतु), 15. नक्षत्रव्यूहाध्याय (नक्षत्रों से सम्बद्ध विषय) 16. ग्रहभक्तियोगाध्याय (ग्रहों से सम्बद्ध विषय) 19. ग्रहवर्षफलाध्याय **गतिविधियाँ-** शुभाशुभ केतु विचार विषय पर निबन्धलेखन ग्रहभक्ति विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण ग्रहवर्षफल का प्रायोगिक सर्वेक्षण	15
5	**भारतीय ज्ञानपरम्परा में वृष्टिविज्ञान** **बृहत्संहिता** अध्याय 21. गर्भलक्षणाध्याय (मेघगर्भ के लक्षण) 24. रोहिणीयोगाध्याय (बीजज्ञान) 26. आषाढीयोगाध्याय (तुलाकोश रहस्य, वातचक्रफल) 28. सद्योवर्षणाध्याय (प्रश्न, शकुन, गोचर आदि से वर्षाविचार)	15

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ- तुलाकोश रहस्य विषय पर निबन्धलेखन सद्योवर्षण विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : सांवत्सरलक्षण, ग्रहचार, संवत्सरविचार, वर्षाविचार

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानन्द झा (चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1977)
2. मुण्डेन एस्ट्रोलॉजी - राफेल

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	**कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)**	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समयः (Time) : 03.00 घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A) : 5 Very Short Questions** अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) : 5 Short Questions** प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) : 5 Long Questions** प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : प्रथम Semester : I	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 34	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 34) वास्तुविज्ञान के प्रौढ़ तत्त्व चतुर्थ प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में बी ए चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. वास्तुकर्म सहज होगा। 3. वास्तुशास्त्रानुरूप गृहनिर्माण में सक्षम होंगे। 4. भारतीय मूर्तुकला का बोध होगा। 5. जीर्णोद्धार प्रक्रिया का ज्ञान होगा। 6. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**मयमत** अध्याय 7 – पदविन्यास (सकल, मण्डूक, परमशायी आदि पदविन्यास) अध्याय 12 – गर्भविन्यास (विभिन्न कक्षों, देवालय आदि के लिए गर्भविन्यास) अध्याय 14 – अधिष्ठानविधान (श्लोक 1 से 15 तक) अध्याय 15- पादप्रमाणद्रव्यपरिग्रहविधान (स्तम्भलक्षण, शिला, इष्टिका तथा काष्ठलक्षण) **गतिविधियाँ-** पदविन्यास का सचित्र प्रदर्शन गर्भविन्यास विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15
2	**मयमत** अध्याय 19 – एकभूमिविधान (धामपर्याय, द्वार, भवनभेद), अध्याय 20 – द्विभूमिविधान (भवनभेद), अध्याय 21 - त्रिभूमिविधान (भवनभेद, तोरण, सोपान) **गतिविधियाँ-** भूमिविधान विषय पर निबन्धलेखन तोरण एवं सोपान विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

3	**मयमत** अध्याय 24 – गोपुरविधान (पञ्चविध गोपुर) अध्याय 25 - मण्डपसभाविधान (श्लोक 1 से 55 तक) (मण्डपप्रयोजन, मण्डप नाम, प्रपा, रङ्ग, एवं यज्ञकुण्डलक्षण) अध्याय 26 - शालाविधान (श्लोक 1 से 85 तक) (शालाविस्तार, आयाम एवम् उत्सेध, दण्डादि विविधभेद) **गतिविधियाँ-** शालाविधान विषय पर निबन्धलेखन मण्डपसभाविधान विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15
4	**मयमत** अध्याय 27 – चतुर्गृहविधान (वाटभित्ति, खलूरिका, अन्नागारादि विविधभवन) अध्याय 28 – गृहप्रवेश अध्याय 30 - द्वारविधान (श्लोक 1 से 54 तक) (द्वारमान, शुभाशुभत्व) **गतिविधियाँ-** गृहप्रवेश विषय पर भाषण द्वारविधान विषय पर पोस्टरनिर्माण	15
5	**मयमत** अध्याय 35 - अनुकर्मविधान (जीर्णोद्धार के नियम) **बृहत्संहिता** अध्याय 58 - प्रतिमालक्षण (अङ्गप्रमाण, विभिन्न देवों के स्वरूप) **गतिविधियाँ-** जीर्णोद्धारविमर्श विषय पर निबन्धलेखन प्रतिमालक्षण विषय पर वीडियो वृत्तचित्रनिर्माण	15

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : पदविन्यास, अनुकर्म, प्रतिमालक्षण
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- 1. मयमत - ब्रूनो डेगेन्स (अनुवादक)(अंग्रेजी) (मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली) 2. मयमतम् - शैलजा पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानन्द झा (चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1977) Suggestive digital platforms/ web links-
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम Suggested equivalent online courses: 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि **(Part D-Assessment and Evaluation)**
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

अध्यक्ष
ज्यो.वि.विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक एम्.ए.ज्योतिर्विज्ञान

सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

(Programme Code – MA-JYV)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग,

उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 41	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 41) उच्चतर ज्योतिर्गणित विवेक प्रथम प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एकवार्षिक एम् ए प्रथम सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. पञ्चाङ्गगणित का बोध होगा। 3. विविध कालमान तथा उनकी उपयोगिता से परिचित होंगे। 4. भारतीय वेधयन्त्रों का ज्ञान होगा। 5. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**सिद्धान्तशिरोमणि** गोलाध्याय, अध्याय 3 -भुवनकोश(भूमि का निराधारत्व, गुरुत्वाकर्षण सिद्धान्त, भूगोलव्यवस्था, भूपरिधि) **गतिविधियाँ-** गुरुत्वाकर्षण की भारतीय अवधारणा विषय पर भाषण भुवनकोष/भूगोलव्यवस्था हेतु प्रारूपनिर्माण	15
2	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार (श्लोक सङ्ख्या 01 से 33 तक) (शीघ्रोच्चादि गतिहेतु, अष्टविध ग्रहगति, ज्यापिण्ड, परमापक्रमज्या, क्रान्तिसाधन, ज्यासाधन) **गतिविधियाँ-** अष्टविधग्रहगति विषय पर निबन्धलेखन क्रान्तिसाधन विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15
3	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार (श्लोक सङ्ख्या 34 से 55 तक)	15

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

	(ग्रहों की शीघ्र एवं मन्दपरिधियाँ, मन्दफलसाधनविधि, शीघ्रफलसाधनविधि) **गतिविधियाँ-** मन्दफलसाधन का गणितीय प्रदर्शन शीघ्रफलसाधनविधि का वीडियोवृत्तचित्र द्वारा प्रदर्शन	
4	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 2 - स्पष्टाधिकार (श्लोक संख्या 56 से अन्त तक) (शरानयन, चरसंस्कार, दिनरात्रिमान, नक्षत्र एवं करणज्ञान) अध्याय 14 - मानाध्याय (सम्पूर्ण) (नवविध कालमान, विविध कालमानों का व्यावहारिक उपयोग) **गतिविधियाँ-** नवविध कालमान विषय पर निबन्धलेखन	15
5	**सूर्य सिद्धान्त** अध्याय 12 - भूगोलाध्याय (सम्पूर्ण) (भूगोलव्यवस्था, अक्षांशभेद से विविध अहोरात्रमान, भचक्रभ्रमण) अध्याय 13 - ज्योतिषोपनिषदध्याय (सम्पूर्ण) (गोल, शङ्कु, कपाल आदि यन्त्रों का वर्णन) **गतिविधियाँ-** यन्त्रपरिचय विषय पर निबन्धलेखन भूगोलव्यवस्था विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : भुवनकोश, भूगोलव्यवस्था		

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन (Part C-Learning Resources)
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- 1. सूर्यसिद्धान्त (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित) 2. सूर्यसिद्धान्त - अंग्रेजी अनुवाद सहित - आर.ई.वर्गीज (अनुवादक) (इन्डोलाजिकल बुक हाउस, वाराणसी, दिल्ली) 3. सूर्यसिद्धान्त- टीकाकार कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2001 4. सिद्धांतशिरोमणि गोलाध्याय-भास्कराचार्य व्याख्याकार- केदारदत्तजोशी (मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली) Suggestive digital platforms/ web links-
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम Suggested equivalent online courses: 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 42	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 42) फलित ज्योतिष विमर्श द्वितीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एकवार्षिक एम् ए प्रथम सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. फलादेश सहज होगा। 3. द्वादश भावों के फलविचार में सहजता होगी। 4. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

अध्यक्ष
ज्यो. विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	जातकपारिजात अध्याय 11 - प्रथमद्वितीयभावफलाध्याय **गतिविधियाँ-** उदाहरणपूर्वक लग्नफलविचार	15
2	**जातकपारिजात** अध्याय 12 - तृतीयचतुर्थभावफलाध्याय **गतिविधियाँ-** तृतीयभावविचार विषय पर निबन्धलेखन सुखभावविचार का प्रायोगिक प्रदर्शन	15
3	जातकपारिजात अध्याय 13 - पञ्चमषष्ठभावफलाध्याय **गतिविधियाँ-** सन्ततिविचार विषय पर निबन्धलेखन रोगविमर्श विषय पर भाषण	15
4	जातकपारिजात अध्याय 14 – सप्तमअष्टमनवमभावफलाध्याय (श्लोक 38 से 44 छोड़कर) **गतिविधियाँ-** ज्योतिष में वैवाहिक जीवन विचार विषय पर निबन्धलेखन भाग्यविमर्श विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

5	जातकपारिजात अध्याय 15 - दशमएकादशद्वादशभावफलाध्याय गतिविधियाँ- आजीविकाविचार विषय पर निबन्धलेखन लाभभावविचार विषय पर भाषण	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : भावफलविचार

भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन

(Part C-Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. जातक पारिजात - कपिलेश्वर शास्त्री (टीकाकार) चौखम्बा प्रकाशन,

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि

(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks		
आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 43	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 43) संहिता ज्योतिष विमर्श तृतीय प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एकवार्षिक एम् ए प्रथम सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. संहिता ज्योतिष की व्यापकता एवं वैज्ञानिकता का ज्ञान होगा। 3. सामुद्रिकशास्त्र एवं शकुनशास्त्र का ज्ञान होगा। 4. रत्नविद्या से परिचित होंगे। 5. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours) L-T-P: 5-0-0		
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	बृहत्संहिता अध्याय 32 भूकम्पलक्षणाध्याय, 34 परिवेशलक्षणाध्याय, 42 अर्घकाण्डाध्याय, 45 उत्पाताध्याय **गतिविधियाँ-** भूकम्पलक्षण विषय पर निबन्धलेखन उत्पातविमर्श विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15
2	बृहत्संहिता अध्याय 51 अङ्गविद्याध्याय, 68 पुरुषलक्षणाध्याय*, 70 कन्यालक्षणाध्याय* *(सिर, हाथ, पैर, केश एवं मुखमण्डल के विशेष सन्दर्भ में)* **गतिविधियाँ-** अङ्गविद्या विषय पर भाषण सामुद्रलक्षण विषय पर निबन्धलेखन	15

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

3	**रत्नविमर्श** परिभाषा, उत्पत्ति विषयक प्राचीन एवं अर्वाचीन मत, प्रकार, परीक्षा, शुभाऽशुभत्व, प्राप्ति स्थल, धारण मुहूर्त एवं धारण विधि **बृहत्संहिता** अध्याय 80 रत्नपरीक्षाध्याय, 81 मुक्तालक्षणाध्याय, 82 पद्मरागलक्षणाध्याय **गतिविधियाँ-** रत्नविद्या विषय पर निबन्धलेखन रत्नपरीक्षण विषय पर वीडियोवृत्तचित्रनिर्माण	15
4	**बृहत्संहिता** अध्याय 86 शाकुनाध्याय, 88 विरुताध्याय, 89 श्वचक्राध्याय, 99 वायसविरुताध्याय **गतिविधियाँ-** शकुनविचार विषय पर वृत्तचित्रनिर्माण	15
5	**बृहत्संहिता** अध्याय 100 करणगुणाध्याय, 101 नक्षत्रजातकाध्याय, 103 विवाहपटलाध्याय, 104 ग्रहगोचराध्याय **गतिविधियाँ-** विवाहपटल विषय पर निबन्धलेखन ग्रहगोचरविचार का प्रायोगिक प्रदर्शन	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : उत्पात, अर्घकाण्ड, रत्नविचार		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C-Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		

ज्योतिष जाने विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. बृहत्संहिता - वराहमिहिर - अच्युतानन्द झा (अनुवादक) (चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1977)
2. रत्न विमर्श - डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय, साहित्य संगम, इलाहाबाद।
3. रत्न परिचय और चिकित्सा विज्ञान - डॉ. रामकृष्ण उपाध्याय, रणधीर बुक सेल्स, हरिद्वार।

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि
(Part D-Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि	40

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

	(Class Test Assignment/Presentation)	
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section **समयः (Time) : 03.00 घण्टा** (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न **Section(A) : 5 Very Short Questions** अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न **Section (B) : 5 Short Questions** प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न **Section (C) : 5 Long Questions** प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : उपाधि पाठप्रदर्शनrogram : Degree Course	कक्षा (Class) : एम.ए एकवार्षिक (M.A. 1 year)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session): 2025-26

विषय (Subject) : ज्योतिर्विज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-JYV 44	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC- 44) वास्तुविज्ञान के प्रौढ़ तत्त्व चतुर्थ प्रश्नपत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC)	मुख्य विषय (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से ज्योतिर्विज्ञान विषय में एकवार्षिक एम् ए प्रथम सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	1. ज्योतिष का प्रामाणिक ज्ञान मिलेगा। 2. वास्तुकर्म सहज होगा। 3. वास्तुशास्त्र की परम्परा से परिचित होंगे। 4. स्वरोजगार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	5	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 40 + 60	Min. Passing Marks: 35

भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course
व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)
1	**भारतीय ज्ञान परम्परा में वास्तुशास्त्र** वेद एवं पुराणेतिहास में वास्तु, प्रमुखवास्तुशास्त्रियों का परिचय (यथा - विश्वकर्मा, मय, वेदव्यास, भोज, टोडरमल, रामदैवज्ञ, मण्डन आदि) **गतिविधियाँ-** भारतीयवास्तुशास्त्र परम्परा विषय पर निबन्धलेखन किसी एक वास्तुशास्त्री पर आधारित वृत्तचित्रनिर्माण	15
2	**ग्रामनियोजन** **मयमत** अध्याय 5 – मानोपकरण (विविधमान, शिल्पीलक्षण) अध्याय 9 - ग्रामविन्यास (वसतिविन्यास के प्रकार, आयादिसाधन, वीथी विधान, ग्रामभेद, देवप्रासादस्थान, देवालय गर्भविन्यास) **गतिविधियाँ-** मानप्रमाण विषय पर सारिणी निर्माण ग्रामविन्यासों का मानचित्र द्वारा प्रदर्शन	15

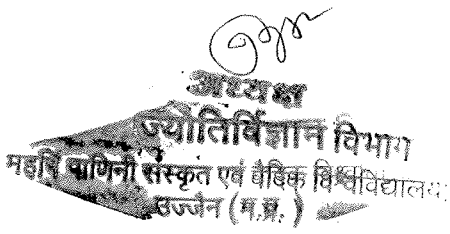

3	**नगरनियोजन** **मयमत** अध्याय 10 – नगरविधान (नगरमान, राजधानी आदि के लक्षण, अन्तरापण) **वास्तुमण्डन** अध्याय 3 - श्लोक 84 से समाप्तिपर्यन्त (जलाशयों के प्रकार, उद्यानविचार) **गतिविधियाँ-** नगरयोजना तथा अन्तरापण हेतु मानचित्रनिर्माण जलाशय प्रारूपनिर्माण	15
4	**मन्दिर स्थापत्य** **बृहत्संहिता** अध्याय 55 – प्रासादलक्षणाध्याय (20 प्रासादभेद) मन्दिर स्थापत्य की विभिन्न शैलियाँ - नागर, द्रविड़, बेसर, गुप्त, उड़ीसा, चन्देल, ग्वालियर, मदुरा, एवं राजस्थानी जैन शैली। **गतिविधियाँ-** प्रसादलक्षण विषय पर निबन्धलेखन किसी एक मन्दिर का शैक्षणिक भ्रमण	15
5	**वास्तुविषयक गुणदोष** **वास्तुमण्डन** अध्याय 7 - दूषणभूषणाध्याय **वास्तु रत्नाकर** अध्याय 6 - गृहोपकरण प्रकरण **गतिविधियाँ-** वास्तुशास्त्र में दूषणभूषण विषय पर निबन्धलेखन	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : वास्तुशैली, वास्तुदोषविचार		
भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

(Part C-Learning Resources)
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- 1. मयमतम् - शैलजा पाण्डेय - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास - विद्याधर - चौखम्बा संस्कृत सीरिज 3. मन्दिर स्थापत्य का इतिहास - सच्चिदानन्द सहाय, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, 4. वास्तुमंडनम् - श्रीकृष्ण जुगनू चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 5. वास्तुरत्नाकर - विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी Suggestive digital platforms/ web links-
अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम Suggested equivalent online courses: 1. Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in
भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100 सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

पञ्चकविचाररिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)	40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)	60
Any remarks/ suggestions:		

अध्यक्ष
ज्योतिर्विज्ञान विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)